नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणाप्रतापस्नातकोत्तरमहाविद्यालय

जंगल धूसड़-गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक 24.11.2018

प्रकाशनार्थ

धर्म की रक्षा हेतु केश कटाना अस्वीकार कर शीश कटाना स्वीकार करने वाले नवम् सिख गुरू तेग बहादुर सिंह, जिन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया था। गुरू तेग बहादुर जी का जन्म पंजाब के अमृतसर नगर में हुआ था। गुरू जी गुरू हरगोविन्द सिह जी के पांचवे पुत्र थे। सिखों के आठवें गुरू हरकिशन राय जी की मृत्यु के पश्चात् गुरू तेगबहादुर जी को गुरूगद्दी पर बिठाया गया था। गुरू तेग बहादुर जी ने मात्र 14 वर्ष की आयु में अपने पिता के साथ मुगलों से लोहा लेते हुए अपनी वीरता का परिचय दिया था। जिस समय औरंगजेब ने सबके इस्लाम धर्म अपनाने का आदेश दिया और कहा कि इस्लाम धर्म अपनाओ नहीं तो मौत को गले लगाओ उस समय गुरू तेग बहादुर जी ने कहा कि औरंगजेब से जाकर कह दो यदि मैंने इस्लाम धर्म ग्रहण कर लिया तो सभी इस्लाम धर्म ग्रहण कर लेंगे यदि औरंगजेब असफल रहा तो कोई भी इस्लाम ग्रहण नहीं करेगा। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज जंगल धूसड़ में **''गुरू तेग बहादुर बलिदान दिवस''** के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में **वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 राजेश शुक्ल** ने अपने उद्बोधन में कही।

उन्होंने कहा कि जब गुरू जी औरंगजेब के दरबार में गये तो उन पर अत्याचार किए गए। गुरू जी ने औरंगजेब से कहा कि तुम जबरदस्ती लोगों से इस्लाम ग्रहण करवा रहे हो तो तुम सच्चे मुसलमान नहीं हो। गुरू जी बात सुनकर औरंगजेब ने क्रोधित होकर उनका शीश काटने का हुक्म जारी कर दिया गुरू जी डटे नहीं बल्कि हंसते–हंसते बलिदान दे दिया।

प्रार्थना सभा में साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम कराया गया। कार्यक्रम में डॉ0 राजेश शुक्ल ने अनुलोम–विलोम, भ्रामरी, कपाल भाँती, भ्रस्तिका, मण्डुकास, अर्ध चन्द्रासन, भुजंग आसन तथा बाल आसन आदि का अभ्यास कराया। डॉ0 राजेश शुक्ल ने बताया कि प्रतिदिन योगाभ्यास करने से शरीर संतुलित तथा रक्त संचार सामान्य रहता है।

कार्यक्रम में डॉ0 विजय कुमार चौधरी, डॉ0 अभय श्रीवास्तव, श्री नन्दन शर्मा, डॉ0 आर.एन.सिंह, श्री मृत्युंजय सिंह, डॉ0 प्रज्ञेश मिश्र, सुश्री प्रियंका मिश्रा, सुश्री नूपुर शर्मा, सुश्री श्वेता चौबे, श्री सुबोध मिश्र, डॉ0 वेंकट रमन पाण्डेय, डॉ0 शिवकुमार बर्नवाल सहित शिक्षक विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

(डॉ0 राजेश शुक्ला)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी